

अमर उजाला

23 May 2019

साइंस की विधाओं को साथ लाने के लिए नाबी में हुआ लेक्चर

अमर उजाला ब्यूरो

मोहाली। नेशनल एग्री-फूड बायो टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (नाबी) और नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस इंडिया चंडीगढ़ चैप्टर ने सेंटर ऑफ इनोवेटिव एंड एप्लाइड प्रोमोसिंग के साथ मिलकर एक पब्लिक लेक्चर का आयोजन नाबी कैम्पस में किया। इसका विषय था हम अंतर पूरा

करने के लिए साथ क्यों आते हैं। पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वीसी डॉ. केएन पाठक की अध्यक्षता में हुए इस लेक्चर के मुख्य वक्ता पद्मश्री प्रो. अजय कुमार सूद थे।

इंडियन नेशनल साइंस अकादमी के अध्यक्ष प्रो. सूद ने अपनी स्टूडेंट लाइफ के बारे में चर्चा करते हुए बताया किम तरह साइंस की विभिन्न विधाएं बेहतर प्रदर्शन के लिए एक साथ आती हैं और उपयोगी सिद्ध होती हैं। 30 स्कूली स्टूडेंट्स व 45 कालेज स्टूडेंट्स, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, आइसर, नाइपर व आईएनएमटी के स्टूडेंट्स, साइंटिस्ट व फैकल्टीज सहित 350 लोगों ने समारोह में हिस्सा लिया। नाबी के कार्यकारी निदेशक डॉ. टीआर शर्मा ने संस्थान में विकसित की गई प्रौद्योगिकियों व उनके प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया।



प्रो. एके सूद को सम्मानित करते नाबी के अधिकारी।

इंडियन नेशनल साइंस अकादमी के अध्यक्ष प्रो. अजय सूद थे मुख्य वक्ता

एनएसआई चंडीगढ़ चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. आईबीएस पामी ने अपने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर डॉ. केएन पाठक ने विज्ञान को लोकप्रिय बनाने में एनएसआई और नाबी की गतिविधियों की सराहना की। लेक्चर के दौरान स्टूडेंट्स ने विषय से संबंधित कई प्रश्न किए, जिनका मुख्य वक्ता प्रो. सूद ने जवाब दिया। इसके बाद नाबी व सीआईएबी द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों को प्रदर्शित भी किया गया।

स्टूडेंट्स को बेसिक फिजिक्स का मेटेरियल साइंस में महत्व बताया

चंडीगढ़ | नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस इंडिया के चंडीगढ़ चैप्टर और नेशनल एग्री फूड बायो टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (नाबी) की ओर से इंसा के प्रेसिडेंट प्रो. अजय के सूद का पब्लिक लेक्चर कराया गया जिसमें स्कूल व कॉलेजों से स्टूडेंट्स भी पहुंचे। अपने लेक्चर के दौरान उन्होंने बड़ी आबादी की जरूरतों को पूरा करने में विज्ञान का महत्व बताया। इसके साथ ही उन्होंने बेसिक फिजिक्स का मेटेरियल फिजिक्स में इस्तेमाल भी समझाया। उन्होंने विभिन्न एरिया के वैज्ञानिकों के मिलकर काम करने पर जोर दिया। पब्लिक लेक्चर के लिए आईसर मोहाली, नाइपर और आईएनएसटी से भी स्टूडेंट्स व वैज्ञानिक



पहुंचे हुए थे। लेक्चर के बाद स्टूडेंट्स के साथ सवाल-जवाब का दौर भी चला। पीयू के पूर्व वाइस चांसलर और फिजिसिस्ट प्रो केएन पाठक ने लेक्चर की अध्यक्षता की।

Prof. Sood delivers public lecture on ‘Why do we flock together’ at NABI

By: Babushahi Bureau

First Published: Wednesday, May 22, 2019 07:39 PM

Updated: Thursday, May 23, 2019 07:56 AM



Prof. Sood President INSA delivers public lecture on ‘Why do we flock together’ at NABI

Mohali, May 22, 2019: National Academy of Sciences India (NASI), Chandigarh chapter and National Agri-Food Biotechnology Institute (NABI) along with Centre of Innovative and Applied Processing (CIAB) co-organized a Public Lecture on “Why do we flock together by distinguish speaker Prof. Ajay K. Sood, FRS, President INSA.

During his lecture he described his studies wherein how the subject in a big population flock together in a coherent manner and demonstrated the use of basic physic for the application in material physics and in different streams of sciences.

In total, 350 people including 30 school children, 45 college students from the local schools of Chandigarh, Panjab University, Chandigarh University, IISER-Mohali and students, scientists and faculties form the neighbouring institutes such as INST, NIPER etc. also attended the above event.

Dr T.R Sharma, Executive Director, NABI welcomed the speaker and the participants and briefly explained about the impact making technologies developed at NABI. Dr IBS Passi, Chairperson, NASI Chandigarh chapter, explained about various activities of NASI and introduced the speaker.

After the presentation, Dr. K. N. Pathak, former Vice – Chancellor Punjab University who Presided over the function appreciated various activities of NASI and NABI related to popularization of science. During this session students raised many observations and queries related to the talk and had discussion with Prof. Sood. Subsequently, various technologies developed by NABI and CIAB were also showcased along with interactions with the delegates, visitors and school students